श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, इस का स्वागत करते हुए यह कहना चाहता हूं कि अब दो दिन और हाउस की बैठेगें है, अगर सरकार चाहे तो बातचीत कर के दो दिन के अंदर दोनों बिलों को पास कर सकती है। एक साथ ये हिंदी विश्वविद्यालय और उर्दू विश्व -विद्यालय के बिल आए हैं और मैं यह भी चाहता हूं कि गांधी जी की जयन्ती 2 अक्टूबर से ये दोनों विश्व-विद्यालय शुरू हो जाए। मैं चाहता हूं कि सरकार इस संबंध में सदन में आश्वासन दे।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मैडम मैं भी अपने को इससे संबद्ध करता हूं।

उपसभापति: बिल तो आया ही नहीं अभी। एक और है—महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्व-विद्यालय बिल, 1995। उसे भी इंट्रोड्यूस हो जाने दीजिए। फिर दोनों पर इकट्ठा बोल दीजिएगा।

THE MAHATMA GANDHI ANTRARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA BILL, 1995.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) KUMARI SELJA): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill to establish and incorporate a teaching University for the promotion and development of Hindi language and literature, through teaching and research, with a view to enabling Hindi to achieve greater functional efficiency and recognition as a major international language and to provide for matters connected therewith and incidental thereto.

The question was proposed

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैडम, मैं इस का स्वागत करते हुए एक ही बात कहूंगा कि हिंदी विश्व-विद्यालय का बिल तो कम-से-कम हिंदी में इंट्रोड्यूस करना चाहिए था। इस से बढ़कर दुख की बात कुछ नहीं हो सकती है कि महात्मा गांधी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय विश्व-विद्यालय पर यह बिल सदन के सामने रख रही हैं और वह भी अंग्रेजी में रख रही हैं। अगर वह हिंदी नहीं जानतीं तो मैं समझ सकता था। मैडम, इससे बड़ा विरोधाभास और क्या होगा? मैं चाहता हूं आप की आज्ञा से कि एक बार हिंदी में पढ़कर वह इस बिल को रखें।

1.00 P.M.

यह कितने विरोधाभास की बात है कि जब एक बिल पेश किया जा रहा है अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का और वह भी उन्होंने अंग्रेजी में पेश किया। मैं चाहता हूं कि इसको हिंदी में करें। यह मेरा अनुरोध। ....(**व्यवधान**)...

कुमारी शैलजा : मैडम, मैं हिन्दी में कह देती हूं। ....(**व्यवधान**)...

SHRI PASUMPON THA. KIRUTTINAN: He cannot dictate to the Minister. Then we can also dictate to the Minister.

उपसभापति : अच्छा let the Bill be introduced.

शंकर दयाल जी, अब आप कहेंगे कि आप कहिए कि जो इसके पक्ष में हैं वह "हां" बोलें। ....(**व्यवधान**)...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: मैडम, मैं इसके इंटरोडक्शन पर बोलना चाहता हूं।

उपसभापति: पहले इंटरोड्यूस तो हो जाए, उसके बाद बोल दीजिएगा।

The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill to establish and incorporate a teaching University for the promotion and development of Hindi language and literature, through teaching and research, with a view to enabling Hindi to achieve greater functional efficiency and recognition as a major international language and to provide for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

KUMARI SELJA: Madam, I introduce the Bill.

उपसभापति: बोलिए मल्होत्रा जी, आप क्या कह रहे हैं।

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : मैडम, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह हिंदी और उर्दू की यूनिवर्सिटी बनाने का तो यहां बिल रखा गया है, परन्तु हिंदी और उर्दू की जो यूनिवर्सिटी बनेंगी उसमें हिंदी मीडियम होगा, उर्दू मीडियम होगा और उसमें हिंदी और उर्दू पढ़ाया जाएगा। यह सब चीजें की जाएंगी, लेकिन इस समय देश के सारे बड़े बड़े एग्जाम, यू॰पी॰एस॰सी॰ का एग्जाम, दूसरी परीक्षाएं सब अंग्रेजी में हो रही हैं और सारी की सारी परिक्षाओं में अंग्रेजी को अनिवार्य विषय रखा गया है। तो अंग्रेजी के बिना कोई नौकरी मिल नहीं सकती और यह जो हिंदी यूनिवर्सिटी और उर्दू यूनिवर्सिटी बनाएंगे तो उन यूनिवर्सिटी से निकले हुए विद्यार्थी जो होंगे उनको न तो नौकरी मिलेगी और न वह यू॰पी॰एस॰सी॰ के थ्रू किसी बड़ी सर्विस में जाएंगे। इसलिए हिंदी यूनिवर्सिटी और उर्दू यूनिवर्सिटी बनाने से पहले कम से कम यू॰पी॰एस॰सी॰ के एग्जाम और दूसरे जो इंटर यूनिवर्सिटी एग्जाम हैं या कंपटीटिव एग्जाम हैं, इन सब के अंदर भारतीय भाषाओं को, जितनी भी भारतीय भाषाएं हैं चाहे वह तमिल हैं, तेलुगू है या बंगला है, उनके माध्यम से वह परीक्षाएं हों और उनमें अंग्रेजी की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। जब तक यह नहीं होगा तब तक हिंदी यूनिवर्सिटी और उर्दू यूनिवर्सिटी बनाने से क्या लाभ होगा? ...(**व्यवधान**) ...इन यूनिवर्सिटी से निकले विद्यार्थी बेकार हो जाएंगे और आप जो इन पर करोड़ों रुपया खर्च करेंगे उसका कोई लाभ नहीं होगा। मैं यह कहना चाहता था।

श्री संघ प्रिय गौतम: बात बिल्कुल सही है।

श्री सतीश अग्रवाल : मैं इनकी बात का समर्थन करता हूं। ....(**व्यवधान**)...

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहिबा, मैं मुख्तसर भाषण नहीं करूंगा क्योंकि इंटरोडक्शन के मौके पर बहस तो नहीं होनी चाहिए, लेकिन यह जो चंद लाइनें हमारे सामने हैं, उस पर कहना चाहूंगा। मैं उर्दू वाला हूं, उर्दू वाला होने के अलावा मौलाना आजाद पर जान देता हूं, बहुत कुछ कहा सकता हूं, उर्दू के बारे में कुछ करना था, उर्दू यूनिवर्सिटी, बहुत बढ़ाना है हमें, पर बुनियादी बात यह है कि आपने उर्दू की तालीम दी हो, हिंदी की तालीम दी हो, हिन्दुस्तान की जितनी जुबानें हैं उनकी तालीम दी हो, लेकिन मोडर्न तालीम में उर्दू का स्थान क्या होगा? अगर मोडर्न तालीम से सम हाऊ बच जाए तो उसका तो कैरियर ही नहीं रह जाएगा। सवाल यह है कि एक कंपरडेन्सिव डाक्यूमेंट हमारे सामने आए तब हम कह सकते हैं कि यह उर्दू और हिंदी की तालीम का सिलसिला जो रखा है आपने, इसको मार्डन तालीम के साथ जोड़ा किस तरीके के गया है, बावस्ता किस तरीके से किया गया ....(**व्यवधान**)... इस वक्त तो कोई बहस हो नहीं सकती है। मैं सियासी बात नहीं करना चाहता हूं, लेकिन डर लग रहा है इन दोनों को पढकर।

...(**व्यवधान**)... इस पर मैं बाद में बातचीत करूंगा। ...(**व्यवधान**)...

†[मुंशी कलीम रहमत : सदर साहब, मैं मुख्तसर भाषण नहीं करूंगा क्योंकि इंटरोडक्शन के मौके पर बहस तो नहीं होनी चाहिए, लेकिन यह जो चंद लाइनें हमारे सामने हैं, उस पर कहना चाहूंगा। मैं उर्दू वाला हूं, उर्दू वाला होने के अलावा मौलाना आजाद पर जान देता हूं, बहुत कुछ कहा सकता हूं, उर्दू के बारे में कुछ करना था, उर्दू यूनिवर्सिटी, बहुत बढ़ाना है हमें, पर बुनियादी बात यह है कि आपने उर्दू की तालीम दी हो, हिंदी की तालीम दी हो, हिन्दुस्तान की जितनी जुबानें हैं उनकी तालीम दी हो, लेकिन मोडर्न तालीम में उर्दू का स्थान क्या होगा? अगर मोडर्न तालीम से सम हाऊ बच जाए तो उसका तो कैरियर ही नहीं रह जाएगा। सवाल यह है कि एक कंपरडेन्सिव डाक्यूमेंट हमारे सामने आए तब हम कह सकते हैं कि यह उर्दू और हिंदी की तालीम का सिलसिला जो रखा है आपने, इसको मार्डन तालीम के साथ जोड़ा किस तरीके के गया है, बावस्ता किस तरीके से किया गया ....(**व्यवधान**)... इस वक्त तो कोई बहस हो नहीं सकती है। मैं सियासी बात नहीं करना चाहता हूं, लेकिन डर लग रहा है इन दोनों को पढकर।

...(**व्यवधान**)... इस पर मैं बाद में बातचीत करूंगा। ...(**व्यवधान**)...

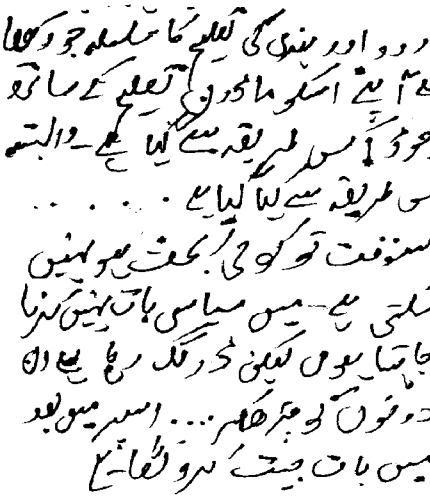

श्री सोमपाल (उत्तर प्रदेश), मैडम, दिक्कत यह है कि जो जोर से बोल सकता है, उसको बोलने में एक मिनट नहीं लगता। ....(व्यवधान)... But I can speak only after him. I do not have the lung power ...*(Interruptions)*...

SHRI P. UPENDRA: We don't discuss the merits of the Bill ...*(Interruptions)*...

श्री सिकन्दर बख्त: मैं इस वक्त यहां बहस नहीं करना चाहता, लेकिन उर्दू और हिंदी के लिए यूनिवर्सिटी का मतलब मेरी समझ में नहीं आ रहा। खाली इतना ही है।

....(व्यवधान)...

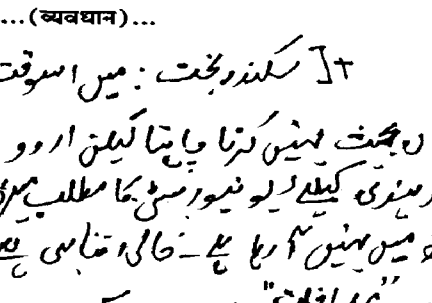

उपसभापति: सवाल यह है, तब बिल डिसक्शन पर आएगा। ....(व्यवधान)... This is not the time. At the time of introduction, no discussion takes place.

SHRI SOM PAL : You should not have allowed him then. If they can say anything, I can also say. I have a right.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Say whatever you want.

SHRI SOM PAL: Because I cannot match the lung power of the hon. Member, I am denied the opportunity.

श्री शंकर दयाल सिंह: अब देखिए, यह क्या है? हमको यह कांपलीमेंट दे रहे हैं या मेरी आलोचना मेरे मित्र कर रहे हैं? ....(व्यवधान)...

श्री सोमपाल: मैंने चेयर से रिक्वेस्ट की है। आपकी मैंने कोई आलोचना नहीं की है। ....(व्यवधान)...

श्री शंकर दयाल सिंह: अच्छा, कांपलीमेंट दे रहे हैं। ....(व्यवधान)...

SHRI SOM PAL: My Complaint is against the Chair, not against Shri Shankar Dayal Singh. ....*(Interruptions)*

उपसभापति: यह बड़े अफसोस की बात है।

I am very much hurt by your statement.

SHRI SOM PAL : I did not hurt you, Madam.

उपसभापति: जस्ट बैठिए। ...**व्यवधान**)... एक मिनट बैठिए। शंकर दयाल जी बगैर मेरी परमीशन के उठे। आप भी अगर इस तरह से हरकत करना चाहते हैं, करें। ....(व्यवधान)... मेरा झागड़ा शंकर दयाल जी से नहीं है। अगर आप हाऊस को इसी तरीके से चलाना चाहते हैं तो खुशी से चलाइए। ...**व्यवधान**)...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: जो रूल बुक है, इसमें कोई मैम्बर अगर अपोज़ करना चाहते हैं इंट्रोडक्शन को तो वही बोल सकते हैं। ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I do not know why pepole are speaking on something which is already over.

श्री सोमपाल: मेरा कोई एतराज़ नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: सोमपाल जी, मेरा एक अवस्था का प्रश्न है।

उपसभापतिः आप और वे बोल रहे हैं, अब आप इनको रोक रहे हैं।

श्री सत्य प्रकाश मालवीयः मेरा एक प्वाइंट आफ आर्डर है।

उपसभापतिः बैठिए, इनका प्वाइंट आफ आर्डर है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीयः मेरा सब्मिशन यह है कि जो मैम्बर बिल के इंट्रोडक्शन को अपोज़ करना चाहते हैं केवल वही उस समय बोल सकते थे। और फिर जब आएगा कंसिडरेशन के लिए तो हम भी बोल सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

उपसभापतिः आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सोमपालः मैं तो बैठ जाऊंगा, मैं तो आपकी आज्ञा का पालन हमेशा करता हूं।

श्री सत्य प्रकाश मालवीयः मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है कि जो मैम्बर बिल आफ इंट्रोकक्शन को अपोज़ करना चाहते हैं, केवल वही उस पर बोल सकते हैं।

श्री शंकर दयाल सिंहः कोई अपोज़ नहीं कर रहा है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now it is already introduced. The matter is closed now.

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: I want to oppose it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You can't; it is over. That matter is closed.

श्रा त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदीः मैडम, सोमपाल जी को एक मिनट के लिए बोल लेने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

उपसभापतिः अभी आपको वे डिस्टर्ब कर रहे हैं। चेयर नहीं कर रही है, आप झगड़ा उनसे करिए।

श्री सोमपालः मैडम, मैं पूरे आदर के साथ और क्षमा के साथ कहना चाहता हूं और सारा हाऊस यह बात मानेगा कि मैं कभी इस तरह की चीज़ नहीं करता हूं।

उपसभापतिः बहुत खुशी की बात है।

श्री सोमपालः कुछ मैम्बर खड़े होकर, क्योंकि उनकी आवाज़ में दम है और वे बोल जाते हैं, हम कुछ नहीं कर पाते हैं और क्योंकि मैं शालीन हूं इसलिए मेरे ऊपर अनुशासन की बात आती है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीयः ये शालीन हैं।

श्री सोमपालः रोज़ होता है, यह कोई नहीं बात नहीं है। मैं सिर्फ यह कहना चाहता था कि जिस समय हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना का सवाल हमारे पुराने साथी, जो इस समय इस सदन के सदस्य नहीं हैं, माननीय डा० रत्नाकर पाण्डेय जी ने उठाया था, माननीय अर्जुन सिंह जी उस समय मानव संसाधन विकास मंत्री थे और उन्होंने इसी सदन में यह बात स्वीकार कर ली थी कि वे स्थापित करेंगे और इसी तरह एक उर्दू विश्वविद्यालय की बात थी। मैं अभी यह बात माननीय बहन, कुमारी शैलजा जी से कर भी चुका हूं कि एक आपने हिन्दी का विश्वविद्यालय स्थापित किया, बहुत अच्छी बात है, एक आपने उर्दू का किया। ...**(व्यवधान)**...

एक माननीय सदस्यः करने की बात कर रहे हैं।

श्री सोमपालः करने की बात कर रहे हैं। जब बिल आ गया है तो हो ही जाएगा। अभी मांग बढ़ेगी सभी भाषाओं की। मैंने उनसे यह निवेदन किया था कि भारत की अखंडता के लिए भाषाओं का जो एक सामंजस्य हैं, उसका अध्ययन होना आवश्यक है। अच्छा यह रहता कि भारतीय भाषाओं का एक विश्वविद्यालय स्थापित कर दिया जाता, उसमें सारी सीटें सारे हिन्दुस्तान की भाषाओं की अलग-अलग रहतीं। ...**(व्यवधान)**

उपसभापतिः अभी देखिए, मैं डिस्टर्ब कर रही हूं कि ये डिस्टर्ब कर रहे हैं? आपकी ही पार्टी के हैं, आप जाइए वहां। ...**(व्यवधान)**.. सब आपकी ही पार्टी के लोग हैं आपके खिलाफ।

श्री सोमपालः उपसभापति महोदया, मैं अपने अनुशासन की जिम्मेदारी लेता हूं, मेरा अधिकार नहीं है, मुझे वहां बिठाइए, मैं इनको भी रोक दूंगा।

उपसभापतिः आइए आपको इस चेयर पर मैं बिठाती हूं, बैठिए।

श्री सोमपालः मैं सिर्फ यह निवेदन करना चाहता हूं मैं आपकी अटेंशन चाहता था कि दो भाषाओं के विश्वविद्यालय की स्थापना का संकल्प आया है, एक उसके बारे में लेजिस्लेशन यहां पर इंट्रोडयूस हुआ है। कल सभी भारतीय भाषाओं में यह मांग उठेगी। मेरा निवेदन यह था कि क्या ही अच्छा होता कि जिनती भारतीय भाषाएं हैं उनका एक विश्वविद्यालय हो जाता और उसमें जितने शब्द समान हैं उनका एक अध्ययन होता। डा० राम जीवन सिंह जिनको शंकर दयाल सिंह

जी अच्छी तरह से जानते हैं, उन्होंने 17,000 शब्दों का ऐसा शब्दकोश बनाया है जिसमें भारत की 15 भाषाओं के जो कॉमन शब्द हैं, वे उसमें सम्मिलित हैं। तो अगर ऐसी कोई बात हो तो शायद अच्छा रहेगा, अगर उस पर विचार कर सकें । धन्यवाद।

श्री मोहम्मद सलीमः मैडम, ...(व्यवधान) ...

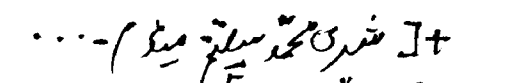

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मीः मैडम, ...(व्यवधान)...मैडम, यह एक अहम मुद्दा है।...(व्यवधान)...

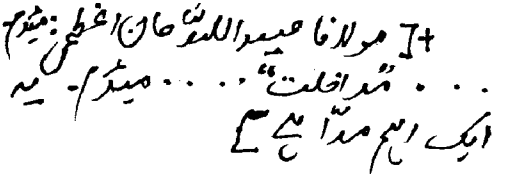

उपसभापतिः That matter is closed.

जब इस पर डिस्कशन होगा तब बात कर लीजिए।

REPORT AND MINUTES OF THE RAILWAY CONVENTION COMMITTEE

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh) : Madam, I beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Tenth Report of the Railway Convention Committee on 'Progress of Modernisation programme in Railways including Energy Conservation Measures' and the Minutes of the Sittings of the Committee relating thereto.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now I have to make a suggetion to the hon. Members. Mr. Satish Agarwal has to go for a medical check-up.

मैं इनको पहले बुला रही हूं, राम गोपाल यादव जी, उसके बाद आप बोलिए। आज लंच नहीं है, आज लंच आवर नहीं है।

[The Vice-Chairman (Shri MD. Salim in the chair]

SPECIAL MENTION

Loss of Lives and Properties due to Heavy Rains in Rajasthan

श्री सतीश अग्रवाल (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक विषय रखने के लिए प्राथमिकता दी है। मुझे अधिक कुछ नहीं कहना है, केवल बात इतनी है कि आपने भी समाचार पत्रों में पढ़ा होगा कि राजस्थान जो एक रेगिस्तानी राज्य है जहां अधिकतर अकाल पड़ते रहे हैं, यह भी सौभाग्य है कि इस बार राजस्थान में वर्षा बहुत अच्छी हुई है। लेकिन राजस्थान के अनेक भाग ऐसे हैं, अनेक जिले ऐसे हैं जहां पर वर्षा सामान्य से अधिक नहीं हुई है लेकिन बाढ़ आ गई है और बाढ़ की स्थिति यह है कि वहां पर सेना को बुलाना पड़ा। भरतपुर, सवाई माधोपुर जिले में, डोसा जिले में और कोटा, बूंदी, झालावाड़ और अलवर हैं जिसमें सबसे ज्यादा स्थिति खराब हुई है वह भरतपुर और डोसा जिले हैं। इन सारे जिलों में बाढ़ के कारण स्थिति बड़ी विषम हो गई है। वहां सहायता के लिए सेना को बुलाया गया है और उसके कारण से फसल भी बरबाद हो गई है और मुझे आशंका इस बात की है कि अब जो आगे आने वाला समय है उसमें महामारी फैलने की आशंका इस पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में उत्पन्न हो गई है। दसवें वित्त आयोग की रिकमंडेशन के आधार पर राजस्थान में जो क्लेमिटी रिलीफ फंड बनाया है, वह मात्र केवल 700 करोड़ रुपए का है, जो बिल्कुल ही अपर्याप्त है और राजस्थान को दसवें वित्त आयोग की रिकमंडेशन के आधार पर जो पहले सहायता मिला करती थी परसेंटवाइज, उसमें इस बार कमी हो गई है। यह मुद्दा मैंने पिछली बार इस सदन में उठाया था। इसलिए मैं आपके माध्यम से समयाभाव के कारण से चूंकि मुझे मेडिकल चैकअप के लिए जाना है, मैं यह मांग पुरजोर शब्दों में उठा रहा हूं कि क्लेमिटी रिलीफ फंड बढ़ाया जाए और क्लेमिटी रिलीफ फंड में से और प्राईम मिनिस्टर रिलीफ फंड से राजस्थान में बाढ़ग्रस्त इलाकों में जनता की यथासंभव सहायता करने के लिए अधिकतम धनराशि दी जाए और आगे भविष्य में महामारी न फैले, उसकी दृष्टि से मेडिकल रिलीफ की व्यवस्था की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।